भारत सरकार
खान मंत्रालय
भारतीय खान ब्यूरो
खान नियंत्रक (पूर्वांचल) का कार्यालय

Government of India
Ministry of Mines
Indian Bureau of Mines
Office of the Controller of Mines (EZ)

ई-फाईल सं. ई-11/1/2023-आईबीएम-ईजेड दिनांक : 21.10.2026

सेवा में,
राजभाषा अधिकारी
भारतीय खान ब्यूरो
नागपुर।

विषय : कार्यशाला का आयोजन।

महोदय,

भारतीय खान ब्यूरो, कोलकाता आंचलिक कार्यालय में, दिनांक 15.10.2026 को आयोजित हुई एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला की रिपोर्ट कृपया आपके सूचनार्थ संलग्न पायें।

भवदीय,

संलग्नक: यथोपरि ।

Digitally signed by
Pukhraj Nenival
Date: 02-11-2026
13:06:46

(डा. पुखराज नेणिवाल)
खान नियंत्रक (पूर्वांचल)

पता – सीपी – 13, सेक्टर – 5, सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता – 700091
Address - CP – 13, Sector – 5, Saltlake City, Kolkata - 700091
दूरभाष/Telephone : 033 23673986 / 23673618, ई – मेल/E-mail : zo.kol@ibm.gov.in

भारतीय खान ब्यूरो, कोलकाता आंचलिक कार्यालय में दिनांक 15.10.2026 को आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला की रिपोर्ट

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग, विकसित भारत–2047 के लक्ष्य तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के ज्ञान और कार्यकुशलता में वृद्धि के उद्देश्य से दिनांक 15 अक्टूबर, 2026 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए गए। इसके अतिरिक्त प्राथमिक चिकित्सा के संबंध में भी उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। यह कार्यशाला वर्ष 2026 में आयोजित की जाने वाली छह हिन्दी कार्यशालाओं की श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित की गई।

उद्घाटन समारोह

कार्यशाला का शुभारंभ प्रातः 10:45 बजे उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। समारोह में कार्यशाला के उद्देश्यों एवं महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों को राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को सरल, सहज और प्रभावी रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

व्याख्यान सत्र

प्रथम व्याख्यान: विकसित भारत- 2047 के लिये राष्ट्रीय भाषाई दृष्टिपत्र

समय: प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 12:15 बजे तक

वक्ता: डॉ. पुखराज नेणिवाल, खान नियंत्रक (पूर्वांचल)

प्रथम सत्र में डॉ. पुखराज नेणिवाल ने 'विकसित भारत–2047 के लिये राष्ट्रीय भाषाई दृष्टिपत्र' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में भाषा की भूमिका तथा भारतीय भाषाओं के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भाषाई विविधता के सम्मान, भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन और प्रशासनिक कार्यों में भारतीय भाषाओं के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया।

द्वितीय व्याख्यान: राजभाषा हिंदी का महत्त्व एवं कार्यालयीन कार्यों में उसका प्रयोग

समय: अपराह्न 12:15 बजे से 01:30 बजे तक

वक्ता: श्री बालु लाल जाट, सहायक खान नियंत्रक

द्वितीय सत्र में श्री बालु लाल जाट ने 'राजभाषा हिंदी का महत्त्व एवं कार्यालयीन कार्यों में उसका प्रयोग' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता तथा पत्राचार, टिप्पण, प्रारूपण एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के व्यावहारिक उपयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों में सरल, स्पष्ट एवं सहज हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया।

---2

तृतीय व्याख्यान: प्राथमिक चिकित्सा

समय: अपराह्न 02:30 बजे से 03:45 बजे तक

वक्ता: श्री उदय कुमार पोल, सहायक खनन अभियंता

अपराह्न 01:30 बजे से 02:30 बजे तक भोजनावकाश के पश्चात आयोजित तृतीय सत्र में श्री उदय कुमार पोल ने 'प्राथमिक चिकित्सा' विषय पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा के महत्त्व तथा दुर्घटना या अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या उत्पन्न होने पर त्वरित एवं उचित सहायता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस सत्र से प्रतिभागियों को आपातकालीन स्थितियों में सतर्कता बरतने और प्राथमिक सहायता के प्रति जागरूक रहने की उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई।

चतुर्थ व्याख्यान: केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग – विशेष संदर्भ: प्रशासन अनुभाग

समय: अपराह्न 03:45 बजे से सायं 05:00 बजे तक

वक्ता: श्री शान्तनु बनर्जी, सहायक

चतुर्थ सत्र में श्री शान्तनु बनर्जी, सहायक ने 'केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग – विशेष संदर्भ: प्रशासन अनुभाग' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग, कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पण एवं प्रारूपण तथा सरकारी दस्तावेजों में भाषा की स्पष्टता और शुद्धता के महत्त्व पर चर्चा की। उन्होंने प्रशासन अनुभाग में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग तथा अनुवाद कार्य में एकरूपता और गुणवत्ता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यशाला का निष्कर्ष एवं उपलब्धियाँ

इस एक दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को विकसित भारत–2047 के संदर्भ में भाषाई दृष्टिकोण, राजभाषा हिंदी के महत्त्व, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग तथा प्राथमिक चिकित्सा के संबंध में उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। कार्यशाला ने सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सरल, स्पष्ट एवं प्रभावी बनाने की दिशा में जागरूकता विकसित करने में योगदान दिया।

समापन समारोह

सायं 05:00 बजे समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यशाला के दौरान प्रस्तुत विभिन्न विषयों के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया तथा प्रतिभागियों से कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान को अपने दैनिक कार्यों में अपनाने का आह्वान किया गया।

कार्यशाला के सफल आयोजन में योगदान देने वाले सभी वक्ताओं, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना, भाषाई जागरूकता बढ़ाना तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की व्यावहारिक कार्यकुशलता में वृद्धि करना था।





भारत सरकार

खान मंत्रालय

भारतीय खान ब्यूरो, कोलकाता

हिन्दी कार्यशाला

15.10.2026


हिन्दी कार्यशाला
15.10.2026


हिन्दी कार्यशाला
15.10.2026


विकसित भारत-2047 के लिए राष्ट्रीय भाषायी दृष्टिपत्र


SEH2026


विकसित भारत-2047 के लिए राष्ट्रीय आशयी दृष्टिपत्र


केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग
विशेष संदर्भ: प्रशासन अनुभाग
शांतनु बनर्जी
सहायक
भारतीय खान ब्यूरो
कोलकाता पूर्वांचलिक कार्यालय


केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में हिंदी का
विशेष संदर्भ: प्रशासन अनुभाग


फर्स्ट एड:
हर सेकंड ज़रूरी है
प्राथमिक चिकित्सा (First Aid) की बुनियादी जानकारी
प्रस्तुतकर्ता: उदय कुमार पोद्दार
भारतीय खान ब्यूरो, पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता
SWACHHATA
HI SEVA2026

